चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त
एम0ए0 हिन्दी (तृतीय सेमेस्टर)
अनिवार्य पेपर – 1
दत्तकार्य –1

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित अति लघुउत्तरीय प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

(अ) प्लेटो के ग्रन्थों के नाम बताओ?
(ब) अरस्तू के ग्रन्थों के नाम बताओं?
(स) त्रासदी का सिद्धान्त किसकी देन है?
(द) कॉलरिज का जन्म कब हुआ?
(इ) आई0ए0 रिचर्ड्रस का जन्म कब हुआ?
(ई) क्रोचे का पूरा नाम बताओ?

खण्ड (एक)

नोट : खण्ड एक से खण्ड चार तक प्रत्येक में से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

प्रश्न : 2 प्लेटो के आदर्शवाद की विस्तृत विवेचना कीजिए

अथवा

अरस्तू द्वारा प्रतिपादित अनुकरण सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए

खण्ड (दो)

प्रश्नः 3 कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

अथवा

अभिव्यजंनावाद के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए तथा इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड (तीन)

प्रश्न : 4 इलियट के कला की निर्देयक्तिकता के सिद्धान्त का परिचय दीजिए।

अथवा

आई0ए0 रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धान्त का परिचय दीजिए।

प्रश्न : 5 मनोविश्लेषणवाद सिद्धान्त की विस्तृत विवेचना कीजिए।

अथवा

उत्तर आधुनिकवाद सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त
एम0ए0 हिन्दी (तृतीय सेमेस्टर)
अनिवार्य पेपर – 1
दत्तकार्य –2

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित अति लघुउत्तरीय प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

(अ) प्लेटो का जन्म कब हुआ।
(ब) अरस्तू के गुरू का नाम बताओं।
(स) लोंजाइनस के ग्रन्थ का नाम बताओ।
(द) कल्पना का सिद्धान्त किसकी देन है?
(इ) क्रोचे का जन्म कब हुआ?
(ई) अनुकरण का सिद्धान्त किसकी देन है?

खण्ड (एक)

नोट : खण्ड एक से खण्ड चार तक प्रत्येक में से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

प्रश्न : 2 प्लेटो के काव्य–सम्बन्धी सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

लौंजाइनस ने उदात्त की जो अवधारणा और स्वरूप प्रस्तुत किया है उस पर प्रकाश डालिए।

खण्ड (दो)

प्रश्नः 3 विलियम वर्ड्सवर्थ के काव्य भाषा के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

अथवा

कॉलरिज के कल्पना के सिद्धान्त को प्रस्तुत करते हुए कल्पना एवं ललित कल्पना का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड (तीन)

प्रश्न : 4 टी0एस इलियट के वैयक्तिक प्रज्ञा के सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मैथ्यू आर्नल्ड के कला और नैतिकता के सिद्धान्त का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड (चार)

प्रश्न : 5 अस्तित्ववाद की आधारभूत धारणाओं पर प्रकाश डालते हुए इसके उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संरचनावाद के उद्गम और विकास का विवेचन कीजिए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी काव्य
एम0ए0 हिन्दी (तृतीय सेमेस्टर)
अनिवार्य पेपर – 2
दत्तकार्य –1

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न 1. आ गसे त्रियवंद ! केशकरबली ! गुफागेह !
राजा ने आसन दिया। कहा :
कृतकृत्य हुआ मैं तात! पधारे आप।
भरोसा है अब मुझको
साध आज मेरे जीवन की पूरी होगी
लघु संकेत समझ राजा का
गण दौड़े। लाये असाध्य वीणा,
साधक के आगे रख उसको, हट गये।

अथवा

उसी किरीटी–तक से वज्रकीर्ति ने
सारा जीवन इसे गढ़ा
हठ–साधना यही थी उस साधक की
वीणा पूरी हुई, साथ साधना, साथ ही जीवन–लीला

प्रश्न : 2 जिन्दगी के
कमरो में अंधेरे
लगाता है चक्कर
कोई एक लगातार
आवाज पैरो की देती है सुनाई
बार–बार .... बार–बार
वह नहीं दीखता......... नहीं ही दीखता।

अथवा

वह रहस्मय व्यक्ति
अब तक न पायी गयी मेरी अभिव्यक्ति है,
पूर्ण अवस्था वह
निज–सभावनाओं, निहित प्रभावों, प्रतिभाओं की
मेरे पूर्ण का अविभार्व
हदय में रिस रहे का तनाव वह
आत्मा की प्रतिमा

प्रश्नः 3 अज्ञेय की वैयक्तिकता में छिपी सामाजिकता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न : 4 मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अंधेरे में कविता के मूल भावों को सोदाहरण लिखिए।

प्रश्न : 5 संशय की एक रात के कथानक को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नरेश मेहता की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी काव्य
एम0ए0 हिन्दी (तृतीय सेमेस्टर)
अनिवार्य पेपर – 2
दत्तकार्य –2

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न 1. राजा रूके
साँस लम्बी लेकर फिर बोले
मेरे हार गये जब जाने–माने कलावन्त
सबकी विघा हो गयी कारथ् दर्प चूर
कोई ज्ञानी गुणी आज तक इसे न साध सका

अथवा

केशकम्बली गुफा–गेह ने खोला कम्बल
धरती पर चुपचाप बिछाया
वीणा उस पर रख पलक मूँद कर प्राण खींच
करके प्रणाम
अस्पर्श धूअन से धुए तार

प्रश्न : 2 तिलस्मी खोह में गिरफ्तार कोई एक
भीत–पार आती हुई पास से
गहन रहस्यमय अंधकार ध्वनि–सा
अस्तित्व जताता
अनिवार कोई एक
और मेरे हदय की धक्–धक्
पूछती है वह कौन
सुनाई जो देता, वह नहीं दिखाई!

अथवा

सूनापन सिहरा
अंधेरे में ध्वनियों के बुलबुले उभरे
शून्य के मुख पर सलवटें स्वर की
मेरे ही उर पर, धँसाती हुई सिर
छटपटा रही हैं शब्दों की लहरें
मीठी है दुः सह!
अरे हाँ, साँकल ही रह–रह
बजती है द्वार पर

प्रश्नः 3 अज्ञेय –काव्य के आधार पर उनकी वैयक्तिकता का स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अज्ञेय की अभिव्यजंना पक्षा का विवेचन कीजिए।

प्रश्न : 4 गजानन माधव मुक्तिबोध का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

मुक्तिबोध के काव्य में अभिव्यक्त व्यंग्य–विधान पर सारगर्भित लेख लिखिए।

प्रश्न : 5 नरेश मेहता ने संशय की एक रात में कौन–कौन सी समस्याएँ उठाई है? उत्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संशय की एक रात में राम प्रज्ञा–प्रतीक है कैसे।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास
एम0ए0 हिन्दी (तृतीय सेमेस्टर)
अनिवार्य पेपर – 3
दत्तकार्य –1

कुल अंक – 15

नोट : निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न 1. इस संसार में बीता हुआ कुछ भी खोता नहीं है। कैसे खो सकता है जब हम हैं अभी तक? ज्यादा से ज्यादा वह हमारे अंदर भीतर कहीं दूर पुराने उजड़े शहरों की तरह ऊपर की परतों की तह में दफन हो जाता है – वे सारे शब्द जो हमने सुने? जो हमने बोले, वे सारे दृश्य जो हमने देखे, वे सारे सुख–दुख जो हमने झेले। बीती हुई एक घड़ी भी कभी भरती नहीं।

अथवा

अचानक सत्यपाल जी को सारा माजरा समझ में आया – हाँ मारवाड़ी ओसवाल थे लेकिन तुम जिस बात से परेशान हो रहे, हो वह बिल्कुल बेबुनियाद है। अंग्रेजों के साथ मिलकर जिस मीरजाफर ने सिराजुदौला को दगा किया, उससे खुद उसका खून का रिश्ता था ताकत और पैसो के पीछे पागल लोगों की कोई अलग जाति नहीं होती।

प्रश्न : 2 पुरी ने कनक को दो सप्ताह ही पढ़ाया था कि संध्या समय ग्वालमंडी जाने के समय की प्रतीक्षा उनके मन में लड़कियों के प्रति जो विरक्ति अनुभव हुई थी उसे कनक की प्रतिभा और संयमित सहज व्यवहार ने पुरी के मन से ऐसे दूर कर दिया जैसे मई–जून में झुलसे हुए मैदान की विरूपता को सावन–भादों की वर्षा दूर कर देती है।

अथवा

सृष्टि के आदि से इस देश को आर्यावर्त कहा गया है। भगवान राम और कृष्ण का देश है। इसे वेदों में पंचनद कहा है। यहां पाकिस्तान कैसे बन सकता है जो पाकिस्तान बनाना चाहते है वे अरब जायें। गांधी और कांग्रेस की पालिसी हमेशा हिन्दुओं के खिलाफ रही है। कांग्रेस मुसलमानों को खुश करने के लिए हिन्दुओं के हकों को कुर्बान करती आयी है।

प्रश्नः 3 झूठा–सच उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'जयदेव पुरी' 'झूठा–सच' नामक उपन्यास का सर्वाधिक क्रियाशील पात्र तथा कृति की प्रमुख घटनाओं का केन्द्र बिन्दु है – इस उक्ति के प्रकाश में जयदेव पुरी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न : 4 अलका सरावगी के उपन्यास 'कलि–कथा : वाया बाइपास में प्रदर्शित अंधविश्वासों को रेखांकित कीजिए।

अथवा

अलका सरावगी के उपन्यास 'कलि–कथा : वाया बाइपास का कथानक संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न : 5 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास के मनोविश्लेषणात्मक पक्ष का सम्यक् आंकलन कीजिए।

अथवा

राशि के चरित्र की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास
एम0ए0 हिन्दी (तृतीय सेमेस्टर)
अनिवार्य पेपर – 3
दत्तकार्य –2

कुल अंक – 15

नोट : निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न 1. रामविलास को हँसी आती है साहब की इस बात पर पृथ्वी
तो साहब, वैसे ही घूम रही है सूरज के चारों तरफ। हिन्दुओं
के लिए नयी सदी तिरालिस साल बाद शुरू होगी। मुसलमानों
के लिए कभी और क्या फर्क पड़ता है ऐसी बातो से
फर्क पड़ता है तो बस यही कि आदमी की छटपटाहट बढ़ जाती है।

अथवा

उसके पूरे शरीर को जैसे लकवा मार गया था – बस उसके
अंदर कोई अपने को बचाने के लिए पूरे दम से निःशब्द
चीख रहा था। उसकी खुद की यह चीख उसके कानों में कही
अतल से आती हुई सूं–सूं की ध्वनि में बदल जाती थी।

प्रश्न : 2 नागरिकों की नींद खुलते ही दैनिक–पत्र घटनाओं को
अपने–अपने ढंग से सजा–बनाकर पाठकों के सामने
उपस्थित हो जाते ह। पत्रकार के काम की विशेषता यह
की इच्छानुसार घटनाओं के वर्णन को रंग देता है।
हजारों पाठक उससे प्रभावित होते हैं परन्तु उससे अपरिचित रहते है।

अथवा

अपनी इस कठिनाई और मानसिक व्यथा में पूरी को बार
बार कनक की याद आ जाती थी। 2 मार्च और 6 मार्च की
संध्या भी नैयर की उपस्थिति में कनक द्वारा दिखाई गई
उपेक्षा की स्मृति उसे बेंध देती थी। पुरी इस बारे में कनक
से बात करने को आतुर था परन्तु उससे मिलने जाने पर
बताना पड़ता कि वह बेरोजगार हो गया है।

प्रश्नः 3 'झूठा–सच' उपन्यास के देशकाल और वातावरण पर विचार कीजिए।

अथवा

कनक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न : 4 'कलिकथा : वाया बाइपास' उपन्यास की भाषा–शैली की दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कलि–कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न : 5 'शेखर एक जीवनी' के आधार पर उसके प्रमुख पात्र शेखर की चरित्रगत विशेषताएं स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शेखर एक जीवनी में व्यक्त जीवन–आदर्श की व्याख्या कीजिए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा
हिन्दी साहित्यालोचन
एम0ए0 हिन्दी (तृत्तीय सेमेस्टर)
अनिवार्य पेपर – 4

दत्तकार्य – ।

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न : 1 निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) भारतेन्दु हरिशचन्द्र का जन्म कब हुआ था।
(ख) 'भारतेन्दु मण्डल' के कवि व लेखकों के नाम बताओ।
(ग) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने कौनसा ग्रन्थ लिखा।
(घ) आचार्य हमारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म कब हुआ।
(ड़) रामधारी सिंह 'दिनकर' की किसी एक रचना का नाम बताओ।
(च) साहित्य के इतिहास के वैज्ञानिक अध्ययन करने वाले विद्वान का नाम बताओ।

खण्ड (एक)

प्रश्न : 2 भारतेन्दु हरिशचन्द्र के साहित्य का विस्तृत विवेचन करो।

अथवा

बालकृष्ण भट्ट की रचनाओं का विवेचनात्मक अध्ययन करो।

खण्ड (दो)

प्रश्नः 3 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना की समीक्षा करें।

अथवा

रामविलास शर्मा द्वारा की गई हिन्दी साहित्य की समीक्षा की चर्चा करें।

खण्ड (तीन)

प्रश्न : 4 डॉ0 नामवर सिंह द्वारा की गई हिन्दी आलोचना पर टिप्पणी करें।

अथवा

डॉ0 नागेन्द्र की हिन्दी आलोचना की समीक्षा करें।

खण्ड (चार)

प्रश्न : 5 प्रयोगवाद में अज्ञेय की भूमिका स्पष्ट करें।

अथवा

हिन्दी साहित्यकार निर्मल वर्मा के साहित्य का परिचय दें।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा
हिन्दी साहित्यालोचन
एम0ए0 हिन्दी (तृत्तीय सेमेस्टर)
अनिवार्य पेपर – 4
दत्तकार्य –2

कुल अंक – 15

नोट : निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न 1.

(अ) आलोचना के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
(ब) भारतेन्दु हरिशचन्द्र किस युग के कवि है इनका जन्म कब हुआ।
(स) आलोचना की दो विशेषताएँ बताइए।
(द) एक सफल आलोचक के गुण बताइए।
(इ) मुक्तिबोध की आलोचना की दो विशेषताएं बताइए।
(ई) महावीर प्रसाद द्विवेदी का जन्म कब हुआ।

खण्ड (एक)

प्रश्न : 2 निर्मल वर्मा के साहित्य की आलोचना करते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए।

अथवा

अज्ञेय के साहित्य की आलोचना करते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए।

खण्ड (दो)

प्रश्नः 3 नगेन्द्र के साहित्य की आलोचना करते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए।

अथवा

आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की समीक्षात्मक विवेचना कीजिए।

खण्ड (तीन)

प्रश्न : 4 रामविलास शर्मा अपने युग के एक सफल समालोचक हैं।

अथवा

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना की विशेषताएँ बताइए।

खण्ड (चार)

प्रश्न : 5 आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की काव्यशास्त्रीय पद्धतियों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

बालकृष्ण भट्ट की काव्यशास्त्रीय पद्धतियों की समीक्षा कीजिए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा
तृत्तीय सेमेस्टर
वैकल्पिक पत्र
हरियाणा की लोक संस्कृति एवं साहित्य
दत्तकार्य – ।

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न : 1 निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) हरियाणवी बोलियों के नाम बताओ।
(ख) हरियाणवी भाषा की दो विशेषताएं बताओ।
(ग) प्रथम हरियाणवी एंकाकी का नाम बताओ।
(घ) हरियाणवी सांगो के विकासक्रम का परिचय दो।
(ड़) हरियाणा के राज्य कवि कौन है?
(च) हरियाणा के पहले सांगी व उसके सांग का नाम बताओ।

खण्ड (एक)

प्रश्न : 2 लोक संस्कृति की अवधारणा स्पष्ट करें।

अथवा

लोक साहित्य सैन्द्धातिक विवेचन से आप क्या समझते है?

खण्ड (दो)

प्रश्नः 3 हरियाणवी भाषा की विशेषताएं बताओ।

अथवा

हरियाणवी साहित्य का परिचय दो।

खण्ड (तीन)

प्रश्न : 4 हरियाणवी भाषा में रचित लोक गीतों की चर्चा करें।

अथवा

हरियाणवी लोक गीतों की भाषा शैली पर टिप्पणी लिखे।

खण्ड (चार)

प्रश्न : 5 हरियाणा के लोकगीतों की विशेषताएं बताओ।

अथवा

भाषा विभाग, हरियाणा की चर्चा करें।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा
तृत्तीय सेमेस्टर
वैकल्पिक पत्र
हरियाणा की लोक संस्कृति एवं साहित्य
दत्तकार्य – II

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

प्रश्न : 1 निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) हरियाणवी लोक गीतों के दो विशेषताएं बताओ।
(ख) हरियाणवी भाषा के प्रथम उपन्यास का नाम बताओ।
(ग) बांगरू, देशवाली व अहीरभारी बोलियों के क्षेत्र बताओ।
(घ) हरियाणवी कविता की दो विशेषाताएं बताओं।
(ड़) लोक संस्कृति किसे कहते है?
(च) लोक साहित्य किसे कहते हैं?

खण्ड (एक)

प्रश्न : 2 हरियाणा की लोक संस्कृति की विशेताएं बताओ।

अथवा

लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा व स्वरुप की चर्चा करें।

खण्ड (दो)

प्रश्नः 3 हरियाणवी भाषा व बोलियों पर चर्चा करें।

अथवा

हरियाणवी साहित्य का आलोचनात्मक विवेचन करो।

खण्ड (तीन)

प्रश्न : 4 हरियाणवी सांग के उद्‌भव व विकास की चर्चा करें।

अथवा

हरियाणवी सांगों की भाषा एवं बोली की चर्चा करें।

खण्ड (चार)

प्रश्न : 5 हरियाणवी लोकगीतों की भाषा व शैली की समीक्षा करें।

अथवा

हरियाणा के लोकगीतों के उदाहरण बताओ।

तृतीय सेमेस्टर
वैकल्पिक पत्र
तृतीय पत्र : जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी
दत्तकार्य – ।

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

(क) जनसंचार किसे कहते हैं?
(ख) जनसंचार के कोई दो सिद्धांत बताओ।
(ग) वाचिक भाषा किसे कहते हैं?
(घ) प्रिंट मीडिया के दो उदाहरण बताओ।
(ड़) फीचर किसे कहते हैं?
(च) जनसंचारी हिन्दी किसे कहते हैं?

खण्ड (एक)

प्रश्न : 2 जनसंचार की अवधारणा, स्वरूप व विकास की चर्चा करें।
अथवा
जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन करो।

खण्ड (दो)

प्रश्नः 3 प्रिंट मीडिया के स्वरूप पर प्रकाश डालें।
अथवा
प्रिंट मीडिया की भाषा पर आलोचनात्मक टिप्पणी करें।

खण्ड (तीन)

प्रश्न : 4 भाषा की सूचनात्मक क्षमता क्या होती हैं? विस्तार से चर्चा करों।
अथवा
वाचिक भाषा व लेखक भाषा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताओ।

खण्ड (चार)

प्रश्न : 5 जनसंचार माध्यमों से सम्बन्धित हिन्दी साहित्य पर चर्चा करें।
अथवा
किताबी भाषा और जनसंचार माध्यमों की भाषा में अंतर स्पष्ट करें।

तृतीय सेमेस्टर वैकल्पिक पत्र
तृतीय पत्र : जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी
दत्तकार्य – II

कुल अंक – 15

नोट : किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है सभी प्रश्नों के सामन अंक है।

(क) सूचना प्रौद्योगिकी के कोई दो रूप बताओ।
(ख) जनसंचार की दो परिभाषाएं बताओ।
(ग) लेखक भाषा क्या होती है।
(घ) जनसंचार माध्यमों की हिन्दी की दो विशेषताएं बताओ।
(ड़) इलेक्ट्रोनिक संदर्भ के रूप में हिन्दी का मानवीकरण क्या होता है
(च) लेखक भाषा की एक परिभाषा बताओ।

खण्ड (एक)

प्रश्न : 2 सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रूपों की चर्चा करें।

अथवा

जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्तकारों के बारे में आलोनात्मक टिप्पणी करे।

खण्ड (दो)

प्रश्नः 3 संपादकीय एवं फीचर के सन्दर्भ में प्रिंट मीडिया के लेखन की चर्चा करो।

अथवा

प्रिंट मीडिया किसे कहते है? उदाहरण सहित बताओ।

खण्ड (तीन)

प्रश्न : 4 सूचना निर्माण के सन्दर्भ में भाषा की सूचनात्मक क्षमता बताओ।

अथवा

सूचना शैली व सूचना सम्प्रेषण की समीक्षा करे।

खण्ड (चार)

प्रश्न : 5 भाषा नियोजन नीति की समीक्षा करें।

अथवा

भाषा स्थिरता पर चर्चा करें।